सामग्री संकलन के ई स्रोत

शोध में सामग्री संकलन एक अत्यन्त महत्त्वपूर्ण प्रक्रिया है, जिसमें विभिन्न स्रोतों से तथ्य, डेटा और सन्दर्भों को एक स्थान पर संग्रह किया जाता है। एक शोधार्थी सामग्री संग्रहित करने के लिए विभिन्न साधनों का उपयोग करता है, जैसे कि पुस्तकें, जर्नल, इन्टरनेट, डेटाबेस सर्वेक्षण तथा अन्य स्रोत। विषय वस्तु से सम्बन्धित तथ्यों के संकलन की सचेतनता और विश्वासनीयता ही किसी शोध कार्य को उत्कर्ष एवं महत्ता प्रदान करती है। इसका मुख्य उद्देश्य शोधकर्ताओं को उनके अध्ययन के लिए आवश्यक सामग्री को प्राप्त करना है, जिससे उन्हें अपने अनुसंधान में सहायता तथा समर्थन प्राप्त हो।

⇒ सामग्री संकलन का महत्त्व:

सामग्रीयों का संकलन अनुसंधान में अत्यन्त महत्त्वपूर्ण है। किसी भी प्रकार के अनुसंधान या शोध में कारण, प्रभाव तथा निष्कर्षों को प्रभावित करने में सामग्री संकलन का महत्त्वपूर्ण योगदान रहता है। वास्तव में सामग्री संकलन ही वह मार्ग है जिसकी सहायता से अनुसन्धान को एक विशिष्ट स्वरूप प्राप्त हो सकता है। अतः सामग्री संकलन का महत्त्व इस प्रकार है -

1. अनुसंधान का आधार (Base of Research)
2. कार्य कारण सम्बन्ध की खोज (Discovery of Cause & Effect)
3. यथार्थता का बोध
4. तुलनामूलक अध्ययनों में सहायक (Helpful in Comparative Study)

⑤ समस्या के निदान में सहायक (Helpful in problem solving)

⑥ प्रशासन में महत्व (Importance in Administration)

⑦ नियोजन में आवश्यक (Essential in Planning)

⇒ सामग्री संकलन के प्रकार :

सामान्यत: अनुसंधानों में प्रयुक्त सामग्री संकलन के दो प्रकारों का उल्लेख दो आधारों पर किया जा सकता है -

- प्रकृति के आधार पर : (On the basis of Nature)
  - ↳ ① गुणात्मक सामग्री / आंकड़े (Qualitative Data)
  - ② गणनात्मक सामग्री (Quantitative Data)

- मौलिकता के आधार पर : (On the basis of Originality)
  - ↳ ① प्राथमिक सामग्री (Primary Data) मूल सामग्री
  - ② द्वितीयक सामग्री (Secondary Data) → सहायक सामग्री

* प्राथमिक स्रोत : (Primary Data)

↳ इसके अन्तर्गत शोधकर्ता स्वयं घटनास्थल पर जाकर या सम्बन्धित व्यक्तियों से साक्षात्कार, प्रश्नावली और अनुसूची द्वारा सामग्री प्राप्त करता है। इसे प्राथमिक इसलिए कहा जाता है कि शोधकर्ता पहली बार सामग्री को मूल स्रोतों (Original Source) से प्राप्त करता है। इस सामग्री को क्षेत्रीय सामग्री की भी संज्ञा दी जाती है क्योंकि शोधकर्ता स्वयं उस क्षेत्र में जाकर अवलोकन करता है और सम्बन्धित लोगों से सम्पर्क स्थापित करता है।

प्राथमिक स्रोत किसी घटना, वस्तु, व्यक्ति या कलाकृति के विषय में प्रत्यक्ष साक्ष्य प्रदान करता है। प्राथमिक स्रोतों में ऐतिहासिक और कानूनी दस्तावेज, प्रयोगों के परिणाम, ऑडियो और वीडियो रिकॉर्डिंग आदि सम्मिलित है। साक्षात्कार, सर्वेक्षण, फील्डवर्क, ईमेल, ब्लॉग, तथा इन्टरनेट से प्राप्त संचार भी प्राथमिक स्रोत है।

प्राथमिक स्रोत एक मूल प्रलेख या दस्तावेज होता है, जिसमें किसी विषय के बारे में प्रत्यक्ष जानकारी प्रदान किया जाता है। प्राथमिक स्रोत के सामान्य उदाहरण है -

- आत्मकथाएँ (Autobiographies)
- डायरियाँ (Diaries)
- साक्षात्कार प्रतिलेख (Interview Transcripts)
- कानूनी दस्तावेज (legal Documents)
- पत्र (letters)
- साहित्यिक कार्य (Original works of art)
- विषय घटना का वीडियो फुटेज (Video Footage of the topic event)
- मूल शोध (Original Research)
- विषय सम्बन्धित चित्र (Photographs of the Topic)

* द्वितीयक सामग्री (Secondary Data) :

↳ इसके अन्तर्गत जिन सामग्री को पूर्व में ही किसी अन्य व्यक्ति या संस्थाओं द्वारा संकलन एवं प्रकाशन किया जा चुका है, एवं शोधकर्ता उनका प्रयोग करता है। द्वितीयक सामग्री स्रोत के सामान्य उदाहरण है –

- जीवन चरित (Biography)
- ग्रन्थ सूची, अनुक्रमणिकाएँ एवं सारांश (Bibliographies, Indexes, Abstracts)
- जर्नल लेख (Journal Articles)
- Literary Criticism (साहित्यिक आलोचना)
- Monographs written about the Topic
- Reviews of books, Movies, musicals recordings, works of ~~Art~~ Arts, etc.

⇛ सामग्री संकलन के ई-स्रोत:

शोध सामग्री संकलन में 'ई-स्रोत' से तात्पर्य इलेक्ट्रॉनिक संसाधन अर्थात डिजिटल प्रारूप में इलेक्ट्रॉनिक रूप से सुलभ सामग्री से है। ई-संसाधनों के उदाहरण इलेक्ट्रॉनिक जर्नल (ई-जर्नल), इलेक्ट्रॉनिक पुस्तकें (ई-बुक), और विभिन्न डिजिटल प्रारूपों में ऑनलाइन डाटाबेस में उपलब्ध दस्तावेज और वेबपेज से है। शोधकार्य में सामग्री संकलन हेतु प्रमुख ई स्रोत है -

- American Chemical Society (31 Journals)
- American Institute of Physics (18 Journals)
- American Physical Society (10 Journals)
- Cambridge University Press (189 Journals)
- J-STOR (457 Journals)
- Institute of Physics (36 Journals)

→ E-book Collection:

↳ Internet Archive: https://archive.org

- 279 Web pages
  ↳ billion
- 11 Million book & texts
- 4 Million Audio Recordings
- 3 Million Videos
- 1 Million Images

↳ Google Scholar, Google book, ResearchGate, UGC Approved list of Journals, Digital South Asia Library. etc.

⇒ अन्य प्रमुख स्रोत:

सामग्री संकलन एक वैज्ञानिक कार्य है। इसके बिना शोध के विषय को मौलिकता प्रदान नहीं किया जा सकता। जिसप्रकार भवन के निर्माण में भौतिक उपादानों की आवश्यकता होती है, उसी प्रकार शोध प्रबन्ध को मूर्त रूप देने के लिए विभिन्न स्रोतों से प्राप्त सामग्री या तथ्यों का संकलन करना आवश्यक हो जाता है। शोध सामग्री के संकलन के प्रमुख स्रोत निम्न है-

• प्रकाशित ग्रन्थ: विषय से सम्बन्धित प्रकाशित ग्रन्थों की सूची के अनुसार विविध पुस्तकालयों से उन्हें उपलब्ध करने का प्रयास करना चाहिए। संस्कृत विषय की शोध सामग्री के लिए राष्ट्रीय संस्कृत संस्थान, उत्तराखण्ड संस्कृत अकादमी, संस्कृत साहित्य परिषद, एशियाटिक सोसाइटी कलकत्ता आदि प्रमुख स्थान द्रष्टव्य है।

• अप्रकाशित ग्रन्थ: अप्रकाशित ग्रन्थ को हस्तलिखित ग्रन्थ अर्थात् पाण्डुलिपि भी कह सकते है। राष्ट्रीय पाण्डुलिपि मिशन ने कतिपय पाण्डुलिपि भण्डारों की पहचान की है, जिनके पास अधिक संख्या में पाण्डुलिपियां है -

• आचार्य श्री कैलाशसुरी ज्ञानमन्दिर, कोबा, गुजारात - 25,0,000 MSS

• सरस्वतीभवन पुस्तकालय, सम्पूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय वाराणसी, 90,000 MSS

• राजस्थान ओरिएंटल रिसर्च इंस्टीट्यूट, जोधपुर → 68,000 MSS

शोधार्थी अपने शोध विषय के अनुकूल आवश्यक हस्तलिखित, पाण्डुलिपि का प्रयोग कर सकता है। ताकि शोध को मौलिकता प्रदान की जा सके।

- प्रतिवेदन: समय समय पर विभिन्न विषयों पर शासकीय अशासकीय प्रतिवेदन प्रकाशित होता रहता है, उनसे भी विषयानुसार सामग्री प्राप्त हो सकता है।

- संस्मरण: डायरी, आत्मकथा, यात्रा विवरण, लेखकों के पत्र आदि से भी शोध के लिए सामग्री प्राप्त हो सकती है। इनसे साहित्यकारों की युग, चिन्तन, परिस्थितियां आदि का ज्ञान प्राप्त हो सकता है।

- समीक्षात्मक सामग्री: जिस विषय पर शोधार्थी शोध कार्य में प्रवृत्त हुआ हो, उससे सम्बन्धित समस्त पूर्व लिखित सामग्री का अध्ययन आवश्यक है। ऐसे सामग्री का अनुशीलन करते समय नवीन दृष्टिबोध का उदय भी हो सकता है।